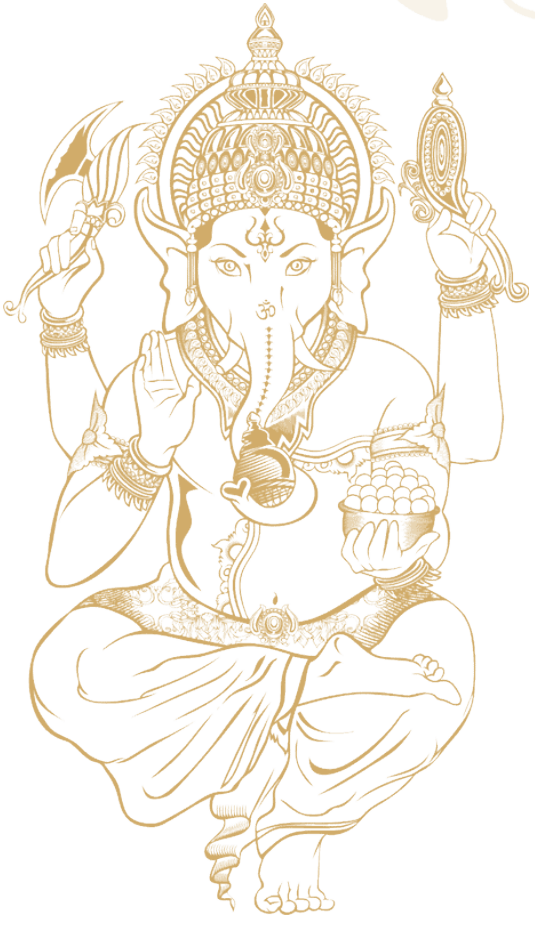

Ravi Prakash

Anupriya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121366002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
5-06/08/1994	जन्म तिथि	08/02/2001
शुक्र-शनिवार	दिन	गुरुवार
घंटे 03:00:00	जन्म समय	07:25:00 घंटे
घटी 54:08:55	जन्म समय(घटी)	02:27:47 घटी
India	देश	India
Ranchi	स्थान	Raniganj
23:22:00 उत्तर	अक्षांश	25:52:00 उत्तर
85:20:00 पूर्व	रेखांश	87:53:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:11:20	स्थानिक संस्कार	00:21:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:20:26	सूर्योदय	06:18:52
18:27:52	सूर्यास्त	17:26:44
23:47:08	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:06

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 2वर्ष 5मा 18दि	17:46:29	मिथु	लग्न	कुंभ	15:29:55	बुध 9वर्ष 8मा 25दि
बुध	19:26:03	कर्क	सूर्य	मक	25:29:53	शुक्र
23/01/2016	01:16:41	कर्क	चंद्र	कर्क	22:21:46	04/11/2017
22/01/2033	28:59:16	वृष	मंगल	वृश्चि	02:32:40	04/11/2037
बुध 21/06/2018	11:34:10	कर्क	बुध व	कुंभ	05:22:34	शुक्र 06/03/2021
केतु 18/06/2019	12:43:39	तुला	गुरु	वृष	07:38:23	सूर्य 06/03/2022
शुक्र 18/04/2022	04:24:15	कन्या	शुक्र	मीन	10:30:28	चन्द्र 05/11/2023
सूर्य 22/02/2023	17:08:36	कुंभ व	शनि	वृष	00:22:40	मंगल 04/01/2025
चन्द्र 24/07/2024	26:21:03	तुला व	राहु व	मिथु	21:17:57	राहु 05/01/2028
मंगल 21/07/2025	26:21:03	मेष व	केतु व	धनु	21:17:57	गुरु 05/09/2030
राहु 07/02/2028	29:48:21	धनु व	हर्ष	मक	26:51:58	शनि 04/11/2033
गुरु 15/05/2030	27:35:39	धनु व	नेप	मक	12:52:44	बुध 04/09/2036
शनि 22/01/2033	01:29:32	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:00:19	केतु 04/11/2037

लग्न-चलित

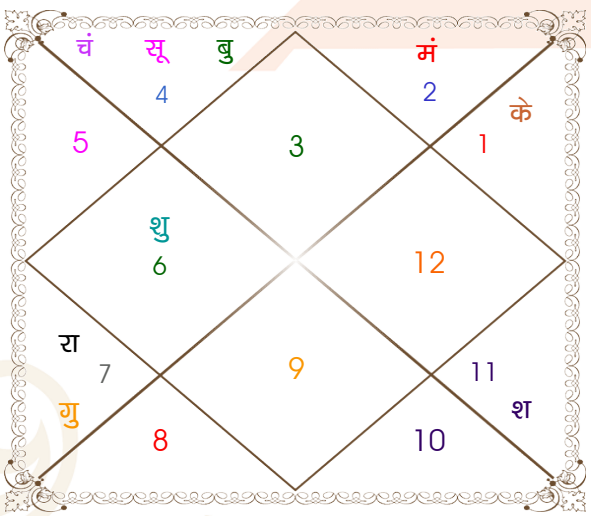

लग्न-चलित

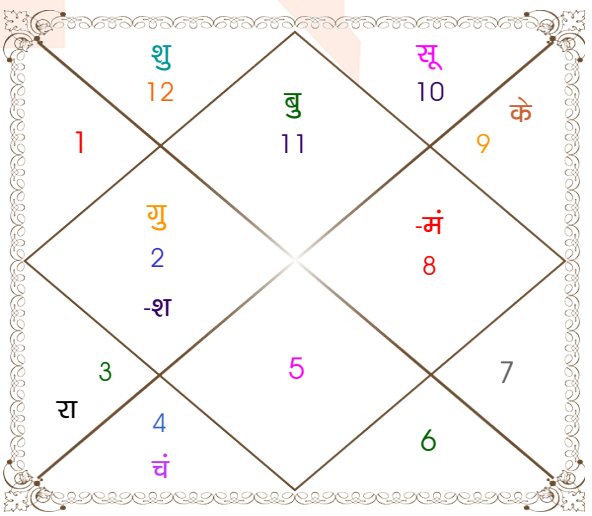

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	मार्जार	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	चन्द्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

ंअप च्ग्रौ का वर्ग मेष है तथा Anupriya का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ंअप च्ग्रौ और Anupriya का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ंअप च्ग्रौ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ंअप च्ग्रौ कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Anupriya मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ंअप च्ग्रौ तथा Anupriya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।